

C. S. (Main) Exam : 2011

Sl. No.



B-DTN-L-QBB

PUBLIC ADMINISTRATION

Paper—II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

The number of marks carried by each question is indicated at the end of the question.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

Section—A

1. Attempt the following in not more than 200 words each : 20×3=60

- (a) "Over-dependence on bureaucracy for bringing about socio-economic development in India has proved to be dysfunctional." Comment.
- (b) "The performance of Lok Ayuktas in various States has been uneven." Comment with examples.
- (c) Explain with appropriate illustrations the interface between political culture and bureaucratic culture in contemporary India.

2. (a) Discuss the evolution of the role of the Prime Minister's Office (PMO) since independence. 30

- (b) "Administrative reforms get diluted because of constant tinkering on the margin rather than a holistic transformation." Discuss the statement in the context of reforming district administration in India. 30

3. (a) Comment on the following statement : 30

"The Comptroller and Auditor-General (CAG) of India is a prosecutor with a law that hobbles its functioning, a judge without the power to sentence and a litigant with no right to appeal."

खण्ड—क

1. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक 200 से अधिक शब्दों में न हो : 20×3=60

(क) “भारत में सामाजिक एवं आर्थिक विकास लाने हेतु अधिकारी-वर्ग पर अत्यधिक निर्भरता दुष्प्रभावात्मक सिद्ध हुई है।” टिप्पणी कीजिए।

(ख) “विभिन्न राज्यों में लोक आयुक्तों की निष्पत्ति असमान रही है।” उदाहरणों सहित टिप्पणी कीजिए।

(ग) समकालीन भारत में राजनीतिक संस्कृति और अधिकारीतंत्रीय संस्कृति के बीच के अन्तरापृष्ठ को उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समझाइए।

2. (क) स्वतंत्रता-प्राप्ति से, प्रधान मंत्री कार्यालय (पी० एम० ओ०) की भूमिका के विकास पर चर्चा कीजिए। 30

(ख) “प्रशासनिक सुधार, साकल्यवादी रूपान्तरण के बजाय उपान्त पर निरन्तर कामचलाऊ मरम्मत करते रहने के कारण, तनु हो जाते हैं।” भारत में जिला प्रशासन को सुधारने के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए। 30

3. (क) निम्नलिखित कथन पर टिप्पणी कीजिए : 30

“भारत का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी० ए० जी०) एक ऐसी विधि के साथ एक अभियोजक है जो उसके प्रकार्यण को लड़खड़ाती है, दण्डादेश की शक्ति के बिना एक न्यायाधीश है और अपील करने के अधिकार के बिना एक मुकदमेबाज है।”

- (b) "Indian federalism is passing through a state of potential maturity." Discuss this statement in the context of the views of the Commission on Centre-State Relations (Justice M. M. Punchi). 30
4. (a) "The theme of Police Reforms continues to haunt the Parliament." In the light of this statement, discuss the state of Criminal Justice System administration in India. 30
- (b) 'Performance Appraisal Systems' with special reference to the Performance Management and Evaluation System (PMES) are expected to transform the bureaucratic culture of Indian administration. Do you agree? Give reasons. 30

Section—B

5. Attempt the following in not more than 200 words each : 20×3=60
- (a) "The real problem of administrative reforms in India, at the State and the local levels is that they are imposed from above." Comment.
- (b) Discuss the basic principles of 'New Localism' as a part of the global-local debate.
- (c) "Absence of District Planning Committees in a large number of districts has prevented convergence of planning at the district level."
Examine the above statement with examples.

(ख) “भारतीय संघवाद सम्भाव्य परिपक्वता की अवस्था से गुजर रहा है।” केन्द्र-राज्य सम्बन्ध आयोग (न्यायमूर्ति एम० एम० पुंछी) के विचारों के सन्दर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

30

4. (क) “पुलिस सुधारों के विषय का संसद् के समक्ष बार-बार आ खड़े होना जारी है।” इस कथन के प्रकाश में भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली प्रशासन की स्थिति पर चर्चा कीजिए।

30

(ख) आशा की जाती है कि ‘निष्पादन मूल्यांकन प्रणालियाँ’, विशेष रूप से निष्पादन प्रबन्धन एवं मूल्यांकन प्रणाली (पी० एम० ई० एस०), भारत के प्रशासन में अधिकारीतंत्रीय संस्कृति का रूपान्तरण कर देगी। क्या आप इस बात से सहमत हैं? कारण बताइए।

30

खण्ड—ख

5. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक 200 से अधिक शब्दों में न हो :

20×3=60

(क) “भारत में ‘राज्य तथा स्थानीय स्तरों पर होने वाले प्रशासनिक सुधारों की वास्तविक समस्या यह है कि वे ऊपर से आरोपित हैं।” विवेचना कीजिए।

(ख) वैश्विक-स्थानिक वादविवाद के एक भाग के रूप में ‘नव स्थानीयता’ के आधारिक सिद्धान्तों पर चर्चा कीजिए।

(ग) “ज़िलों की एक बड़ी संख्या में, ज़िला योजनाकरण समितियों की अनुपस्थिति ने ज़िला स्तर पर योजनाकरण के अभिसरण में रुकावट पैदा की है।”

उदाहरण प्रस्तुत करते हुए उपरोक्त कथन का परीक्षण कीजिए।

6. (a) (i) "One Lok Pal, howsoever strong it may be, cannot eliminate corruption in the politico-administrative system in India." Comment. 15
- (ii) "Grievance redressal system is perhaps the weakest link in India's civil service management." Comment. 15
- (b) "Community policing has become a victim of elite capture." Discuss the concept of community policing and bring out the implications of the above statement. 30
7. (a) Can the holding company's structure act as an institutional change to add to efficiency? Give your answer with appropriate illustrations. 30
- (b) Examine the institutional vulnerability of municipal governance in the midst of an emerging spectre of multiple partnerships. 30
8. (a) (i) Identify the different conceptual categories of disasters. 15
- (ii) Write a note on the new culture of disaster management. 15
- (b) "Disaster insurance is desirable but not an easy proposition to implement." Illustrate with suitable examples. 30

6. (क) (i) “चाहे वह कितना भी सशक्त हो, एक लोकपाल भारत के राजनीतिक एवं प्रशासनिक तंत्र से भ्रष्टाचार नहीं मिटा सकता।” टिप्पणी कीजिए। 15
- (ii) “अभियोग निराकरण प्रणाली भारत के लोक सेवा प्रबन्धन की सम्भवतया सबसे निर्बल कड़ी है।” टिप्पणी कीजिए। 15
- (ख) “सामुदायिक पुलिसन सम्भ्रान्त बंदीकरण की शिकार बन चुकी है।” सामुदायिक पुलिसन की संकल्पना पर चर्चा कीजिए और उपरोक्त कथन के निहितार्थों को उजागर कीजिए। 30
7. (क) क्या नियंत्री कम्पनी की संरचना, दक्षता में वृद्धि करने के लिए, एक संस्थागत परिवर्तन के रूप में कार्य कर सकती है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपना उत्तर दीजिए। 30
- (ख) बहु-भागीदारियों की उदयमान छाया के बीच में नगरपालिका शासन की संस्थागत सुभेद्यता का परीक्षण कीजिए। 30
8. (क) (i) आपदाओं (डिजास्टर्स) की विभिन्न संकल्पनात्मक श्रेणियों की पहचान कीजिए। 15
- (ii) आपदा प्रबन्धन की नई संस्कृति पर एक टिप्पणी लिखिए। 15
- (ख) “आपदा बीमा वांछनीय है परन्तु क्रियान्वित करने में कोई आसान प्रस्थापना नहीं है।” उपयुक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इसको सुस्पष्ट कीजिए। 30

★ ★ ★

लोक-प्रशासन

प्रश्न-पत्र—II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

Note : English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.